प्रेस विज्ञप्ति

ग्रीन हाइड्रोजन कन्वेंशन 2023: इरेडा के सीएमडी ने भारत के महत्वाकांक्षी ग्रीन हाइड्रोजन लक्ष्यों के लिए सहयोग की वकालत की

भुवनेश्वर, 5 अगस्त 2023

भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास संस्था (इरेडा) के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री प्रदीप कुमार दास ने आज ओडिशा के भुवनेश्वर में आयोजित "ग्रीन हाइड्रोजन कन्वेंशन 2023" के उद्घाटन सत्र में अपने विशेष संबोधन की । ओडिशा सरकार के उद्योग विभाग के प्रमुख सचिव, श्री हेमन्त शर्मा और नीति आयोग के उप सलाहकार-ऊर्जा, श्री मनोज कुमार उपाध्याय ने भी ओडिशा सरकार और सीआईआई पूर्वी क्षेत्र के द्वारा आयोजित सम्मेलन में अपनी बहुमूल्य विचार साझा की।

राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन में उल्लिखित भारत सरकार के विजन के अनुरूप, सीएमडी ने हरित हाइड्रोजन क्षेत्र की संपूर्ण मूल्य श्रृंखला के वित्तपोषण के लिए इरेडा की अथक प्रतिबद्धता की पुष्टि की । उन्होंने इस बात को रेखांकित किया कि सरकार द्वारा उभरते हरित हाइड्रोजन क्षेत्र को केवल प्रारंभिक अवस्था में ही सहायता और समर्थन प्रदान किया जा सकता है। हालाँकि, एक बार जब यह क्षेत्र स्थिर हो जाता है, तो हितधारकों को निरंतर सहायता की उम्मीद नहीं करनी चाहिए, और बाजार को निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा की अनुमति दी जानी चाहिए। अंततः, इस क्षेत्र की प्रगति को आगे ले जाने में वास्तविक रुचि रखने वाले गंभीर और प्रतिबद्ध डेवलपर्स पर निर्भर करेगी ।

नीति निर्माताओं, नियामकों, बैंकरों और डेवलपर्स को वर्ष 2030 तक गैर-जीवाश्म स्रोतों से 500 गीगावाट, वर्ष 2027 तक 5 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था, वर्ष 2047 तक विकसित अर्थव्यवस्था का दर्जा और वर्ष 2070 तक शुद्ध शून्य उत्सर्जन के महत्वाकांक्षी लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रभावी ढंग से सहयोग करना चाहिए।

इरेडा के सीएमडी ने इस बात पर जोर दिया कि ओडिशा में पहले से ही स्टील, एल्युमीनियम, सीमेंट और उर्वरक उत्पादन की पर्याप्त क्षमता है। राज्य के पास इन क्षेत्रों में मौजूदा हाइड्रोजन बुनियादी ढांचा है, और ग्रे अमोनिया से ग्रीन अमोनिया में परिवर्तन लाना अगला आवश्यक कदम है। इस परिवर्तन के लिए एक अच्छी तरह से स्थापित बाजार के साथ, इलेक्ट्रोलाइज़र आदि जैसे नए विनिर्माण क्षेत्रों के उभरने की संभावना है। अपने तीन विशेष आर्थिक क्षेत्रों (एसईजेड) और तीन प्रमुख बंदरगाहों का लाभ उठाते हुए, ओडिशा ग्रीन हाइड्रोजन के लिए एक मजबूत विनिर्माण आधार विकसित करने और महत्वपूर्ण निर्यात अवसरों को भुनाने के लिए एक बेहतर स्थिति में है।

इरेडा के सीएमडी ने विश्वास व्यक्त किया कि, जैसे इरेडा ने पहले नई और उभरती नवीकरणीय ऊर्जा प्रौद्योगिकियों को बैंक योग्य बनाने में अपनी अग्रणी भूमिका का प्रदर्शन किया था, उसी प्रकार कंपनी अब ग्रीन हाइड्रोजन क्षेत्र की पर्याप्त वित्तीय जरूरतों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए अच्छी तरह से तैयार है। हमारा लक्ष्य ग्रीन हाइड्रोजन और ग्रीन अमोनिया परियोजनाओं की वित्तीय व्यवहार्यता को बढ़ाना है, जिससे ये संभावित निवेशकों के लिए आकर्षक क्षेत्र बन सकें।

इस सम्मेलन में, उद्योग जगत के उद्यमियों , विशेषज्ञों, नीति-निर्माताओं और अन्य प्रतिष्ठित उपस्थित लोगों ने देश में हरित ऊर्जा पहल को आगे बढ़ाने के महत्व की पुष्टि करते हुए इरेडा के सीएमडी के संबोधन पर जबरदस्त प्रतिक्रिया व्यक्त कीं।